No. of Printed Pages: 8

14991

EHI-04

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination December, 2015

ELECTIVE COURSE : HISTORY

EHI-04 : INDIA FROM 16th CENTURY TO MID 18th CENTURY

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100 (Weightage 70%)

Note: This question paper has three sections. The students have to attempt any two questions in about 500 words each from Section I, any four questions in about 250 words each from Section II and any two short notes in about 100 words each from Section III. The marks are mentioned against each question.

SECTION I

- 1. What was the Mughal attitude towards autonomous chieftains ? Elaborate with special reference to Akbar.
- 2. What was Turco-Mongol concept of sovereignty? To what extent were Turco-Mongol traditions followed by the Mughal emperors ?

EHI-04

1

20

20

P.T.O.

- Discuss the various commercial practices employed in trade and commerce during the medieval period.
 20
- 4. Trace the development of Mughal architecture during the sixteenth and seventeenth century. 20

SECTION II

5.	Briefly discuss the nature of Afghan theory of kingship. What were the changes introduced in it during Sikandar Lodi's period ?	12
6.	Trace the development of Nayak kingdoms in south India during the 16 th century.	12
7.	Briefly discuss the rise of Ahmednagar as an independent kingdom.	12
8.	Analyse the factors that led to the rise of the Maratha power. Can it be termed as Hindu reaction?	12
9.	Briefly discuss the various categories of land rights in the Deccan.	12
10.	Critically analyse the various methods adopted by scholars to estimate the population of Mughal India.	12
11.	What is the empire-centric approach for the decline of the Mughal empire ?	12
12.	Give a brief account of the emergence of the successor states in the 18 th century.	12

3

P.T.O.

SECTION III

- 13. Write short notes on any *two* of the following in about 100 words each : 6+6=12
 - (a) Chauth and Sardeshmukhi
 - (b) The French East India Company
 - (c) Gaudia Vaishnavism
 - (d) Development of Rajasthani paintings during the 17 – 18th centuries

ई.एच.आई.-04

स्नातक उपाधि कार्यक्रम सत्रांत परीक्षा दिसम्बर, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-04 : भारत 16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

(कुल का 70%)

नोट: इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं । विद्यार्थियों को खण्ड I में से कोई दो प्रश्न लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में, खण्ड II में से कोई चार प्रश्न लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में तथा खण्ड III में से कोई दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

खण्ड I

- स्वायत्त सरदारों के प्रति मुगल रवैया क्या था ? अकबर के विशेष संदर्भ में व्याख्या कीजिए।
 20
- तुर्क-मंगोल प्रभुसत्ता का विचार क्या था ? किस हद तक मुगल शासकों द्वारा तुर्क-मंगोल परम्पराओं को अपनाया गया ?

EHI-04

P.T.O.

- मध्यकाल में व्यापार और वाणिज्य में प्रयुक्त विभिन्न वाणिज्यिक पद्धतियों की चर्चा कीजिए।
 20
- सोलहवीं तथा सत्रहवीं शताब्दी में मुगल स्थापत्यकला के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

20

खण्ड II

5. अफगान राजत्व के सिद्धान्त की प्रकृति की संक्षेप में चर्चा कीजिए । सिकन्दर लोदी के काल में इसमें लाए गए परिवर्तन क्या थे ?

 सोलहवीं शताब्दी में दक्षिण भारत में नायक राज्यों के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

- अहमदनगर राज्य के एक स्वतन्त्र राज्य के रूप में उदय की संक्षेप में चर्चा कीजिए।
- मराठा शक्ति के उदय के लिए उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण कीजिए । क्या इसे हिन्दू प्रतिक्रिया कहा जा सकता है ?
- दक्खन में भू-अधिकारों की विभिन्न श्रेणियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।
- 10. मुगल भारत की जनसंख्या आकलन संबंधी विद्वानों द्वारा अपनाये गए विभिन्न तरीकों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
- मुगल साम्राज्य के पतन संबंधी साम्राज्य-केन्द्रित विचारधारा क्या है ?
- अठारहवीं शताब्दी में उत्तराधिकारी राज्यों के उदय का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

EHI-04

P.T.O.

7

12

12

12

12

12

12

12

12

खण्ड III

- 13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 6+6=12
 - (क) चौथ तथा सरदेशमुखी
 - (ख) फ्रांसीसी ईस्ट इण्डिया कंपनी
 - (ग) गौडिया वैष्णव धर्म
 - (घ) सत्रहवीं-अठारहवीं शताब्दियों में राजस्थानी चित्रकला का विकास